

श्री राजनाथ सिंह : सभापति महोदय, माननीय सदस्य ने इस सम्बन्ध में जो जानकारी चाही है, वह जानकारी में माननीय सदस्य को उपलब्ध करा देंगा।

डा. अनिल कुमार साहनी : सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री महोदय को यह जानकारी देना चाहता हूं कि अभी उन्होंने कहा कि जो पैसा दिया गया है, वह खर्च नहीं हुआ है, मगर वह खर्च हुआ है। पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह जी यहां बैठे हुए हैं। इन्होंने कहा था कि 1000 करोड़ रुपये देंगे, मगर कितना दिया? यह इनसे भी पूछिए।

श्री सभापति : आप सवाल पूछिए।

डा. अनिल कुमार साहनी : सर, यह मेरा सवाल ही है। वहां पैसा खर्च किया गया, मगर वहां पैसा कम पड़ गया। वहां पर जितना खर्च के लिए चाहिए, वह पैसा कम पड़ गया। मैं माननीय मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि आप इसकी जांच करा लीजिए कि कितना पैसा कम पड़ा है और उसको दीजिए, क्योंकि बिहार एक गरीब राज्य है। आप इसे विशेष राज्य दर्जा देने का काम कीजिए, ताकि हम उसे ठीक कर सकें। आप यह कब तक देंगे, इसका हमें आश्वासन दीजिए।

MR. CHAIRMAN: Thank you. Question No. 225.

Poor condition of ESI hospital in Bhubaneswar

*225. SHRI PYARIMOHAN MOHAPATRA: Will the Minister of LABOUR AND EMPLOYMENT be pleased to state:

- (a) whether Government is aware of the deplorable condition of the Employees' State Insurance (ESI) hospital in Bhubaneswar; and
- (b) the steps, if any, being taken to resolve various deficiencies so that the workers covered under ESI and their families can get the best of treatment?

THE MINISTER OF LABOUR AND EMPLOYMENT (SHRI NARENDRA SINGH TOMAR): (a) and (b) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) and (b) Employees' State Insurance (ESI) Hospital in Bhubaneswar, which is being run by the State Government of Odisha, is presently under up-gradation/renovation and, thus, is not fully functional.

Employees' State Insurance Corporation (ESIC) has taken up a project for up-gradation of the ESI Hospital, Bhubaneswar from 50 beds to 100 beds by renovating/upgrading the existing block and by constructing a new block. The renovation/up-

gradation work in the existing building includes provision of centralized air conditioning, lifts, modular operation theatre, 100% power back up etc.

Presently, the hospital is functional with 33 beds along with OPD services, Ultrasonography, Laboratory and Operation theatre. In-patient Services are available in the field of Medicine, General Surgery, Obstetrics and Gynaecology, Orthopaedics, Eye along with round the clock emergency services. For providing cash-less super speciality medical services to workers and their families, the ESIC has made tie-up arrangements with 12 private/government hospitals.

SHRI PYARIMOHAN MOHAPATRA: Sir, the request for the ESI hospital was for a 200-bedded hospital. Will the Minister be pleased to say that why a 50-bedded hospital was started when a prime land in the heart of Bhubaneswar was given for a 200-bedded hospital? Why 50-bedded hospital was started in the first place and why is it being upgraded now to 100 beds? It is now creating a lot of crowding and congestion and the workers who are insured are not being looked after.

श्री नरेन्द्र सिंह तोमर : माननीय सभापति महोदय, भुवनेश्वर में जो कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल है, वह पचास बेड का पहले से था, 50 बेड का 100 बेड में उन्नयन किया जाए, यह प्रस्ताव अनुमोदित हुआ था। माननीय सदस्य जो 200 बेड वाले अस्पताल का जिक्र कर रहे हैं, वह मेरे संज्ञान में नहीं है, लेकिन जो पचास बिस्तर वाला अस्पताल है, उसका उन्नयन करके उसको सौ बिस्तर का बनाया जा रहा है। उसके निर्माण की प्रक्रिया लगभग सत्तर प्रतिशत पूरी हो गई है और हम लोगों का यह प्रयत्न है कि वह मार्च, 2015 तक पूरा हो जाए।

SHRI PYARIMOHAN MOHAPATRA: Sir, I only hope that on my first supplementary, the hon. Minister would try to look at the old records because I have personal knowledge that the request was made, two decades ago, for a 200-bedded hospital. On that basis, the land was given. So, that may kindly be enquired into.

My second supplementary is, it is stated that in-patient services in the field of Medicine, General Surgery, Obstetrics and Gynaecology, Orthopaedics, Eye are available there. All these specialists are there. But they are all busy with private practice. Most of them are not available in the hospital. The hospital administration is in a mess. Workers who go there keep on complaining about the very sad state of the hospital, and it is a pity that nobody goes to see it. Will the Minister please constitute a Committee or send some

high level official from the Centre to go and have a look at that hospital? Please give an assurance that something will be done within a particular time-line and information will be made available.

श्री नरेन्द्र सिंह तोमर : माननीय सभापति महोदय, माननीय सदस्य की चिंता से निश्चित रूप से मुझे भी चिंता हुई। यदि अस्पताल में काम करने वाले डॉक्टर प्राइवेट प्रैक्टिस कर रहे हैं और उसके कारण हमारे श्रमिक परेशान हैं, तो निश्चित रूप से यह बहुत ही गंभीर बात है। माननीय सदस्य ने इस ओर ध्यान दिलाया है, मैं इसके लिए अधिकारी नियुक्त करके वहां जांच भी कराऊंगा और जांच से माननीय सदस्य को अवगत भी कराऊंगा।

महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य से अनुरोध करना चाहता हूँ कि अगर उनकी कोई विशेष और स्पेसिफिक शिकायत है, तो वे मुझे जरूर लिखकर दें। हम उसकी पूरी जांच कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

श्री बसावराज पाटिल : माननीय सभापति जी, इस प्रकार के अस्पताल तो बनते हैं, लेकिन वहां पर सफिशिएंट मात्रा में स्टाफ नहीं रहता है, जिसके कारण लोगों का वहां इलाज नहीं हो पाता है और फिर टाइ-अप करके मरीजों को इलाज के लिए बाहर भेजा जाता है। क्या सरकार अस्पतालों में पूरा स्टाफ रखने का भरोसा देगी?

श्री नरेन्द्र सिंह तोमर : माननीय सभापति महोदय, माननीय सदस्य ने ठीक कहा है। कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों में भी, केन्द्र द्वारा संचालित अस्पतालों में भी और देश के बाकी विभिन्न अस्पतालों में चिकित्सीय और परा-चिकित्सीय स्टाफ का अभाव है और उसके कारण स्थान-स्थान पर यह तकलीफ आती है। हम लोगों ने कर्मचारी राज्य बीमा अस्तपतालों में, जो केन्द्र शासन के द्वारा संचालित हैं, उनमें से स्टाफ पूरा हो, इसके लिए बार-बार विज्ञापन दिए हैं, बार-बार चयन की प्रक्रिया चलाई है और उसके कुछ परिणाम भी निकले हैं, लेकिन निश्चित रूप से चिकित्सीय स्टाफ की अनुपलब्धता इस मामले का एक विशेष कारण है। इस वजह से यह सोचा गया है कि अगर किसी फैकल्टी का डॉक्टर हॉस्पिटल में नहीं है और उस चिकित्सा की आवश्यकता है, तो श्रमिक के स्वारक्ष्य की सुरक्षा हो, इसलिए निजी क्षेत्र के चिकित्सालयों के साथ भी टाइ-अप किया गया है। सरकार निरंतर इस बात का प्रयत्न करती रहती है कि हमारे अस्पतालों में सारी फैकल्टीज़ मौजूद हों और उसके लिए जो प्रयत्न किए जा सकते हैं, वे निरंतर जारी रहते हैं।

श्री शरद यादव : सभापति जी, तोमर साहब तो अभी नये आए हैं, लेकिन इसमें कोई शक नहीं है कि जो ई.एस.आई. अस्पताल है, उसके बारे में जो एक सुविधा आपने निजी अस्पतालों के लिए दी है, उसमें इतना भारी भ्रष्टाचार है जिसकी कोई झंतिहा नहीं है। ई.एस.आई. की ओर से

जो ये हॉस्पिटल्स खोले गए हैं, वे हर तरफ बुरी हालत में हैं। आप यह मत समझिए कि यह अकेले ओडिशा के हॉस्पिटल्स की बात है, आप एकाध बार नोएडा का दौरा कर लीजिए, वहां ये हॉस्पिटल्स काफी बुरी हालत में हैं। उनकी हालत के खराब होने का कारण यह भी है कि आपने निजी अस्पतालों में जो सुविधाएं दी हैं, वे कमाई का जरिया हो गई हैं। अपना तो देश ही अद्भुत है। आपने, सरकार ने जो काम अच्छी नीयत से किया था, उसमें से उन्होंने रास्ता निकाल लिया है।

इसलिए मेरा आपसे निवेदन है कि इस मामले में आप देश के संबंधित लोगों को बुलाकर इस बात पर विचार करें कि इसमें क्या-क्या कमियां हैं। इस पर इसलिए भी ज्यादा ध्यान दिया जाना चाहिए, क्योंकि लेबर मिनिस्ट्री में यही एक सबसे बड़ी सुविधा ई.एस.आई. वर्कर्स के लिए है। अगर आप इसको और लोगों के लिए खोलने का काम करेंगे, बाकी वर्कर्स के लिए खोलने का काम करेंगे, कंस्ट्रक्शन वर्कर्स के लिए खोलने का काम करेंगे, तो यह इस देश के छोटे और मध्यम आय वर्ग के लोगों के लिए एक बड़ी भारी एसेट साबित हो सकती है।

श्री नरेन्द्र सिंह तोमर : माननीय शरद यादव जी बहुत वरिष्ठ सदस्य हैं और उनका आम लोगों के बीच में तथा संसदीय क्षेत्र में भी बड़ी दीर्घकालिक अनुभव है। उन्होंने अपने अनुभव के आधार पर ई.एस.आई. हॉस्पिटल्स के बारे में जो कुछ कहा है, वह निश्चित रूप से विचारणीय है और मैं उस पर ध्यान दूंगा तथा कार्रवाई करूंगा।

SHRI BAISHNAB PARIDA: Sir, the ESI hospital in Bhubneswar is situated in the coastal area of Odisha. But most of the industries and mining areas are located in the western part of Odisha. There has been a long-pending demand for an ESI hospital to be established in the western part of Odisha, which would meet the growing demands of employees and workers. Does the Government have any plans to establish another ESI hospital in western Odisha near the industrial area?

श्री नरेन्द्र सिंह तोमर : माननीय सभापति जी, माननीय सदस्य ने जो बात उठाई है, अपनी जगह उनको जरुर आवश्यकता दिखती होगी, लेकिन ई.एस.आई. हॉस्पिटल्स की स्थापना के कुछ मानक बने हुए हैं। उन्होंने जिस पश्चिमी क्षेत्र की ओर ध्यान दिलाया है, उस क्षेत्र में अस्पताल भी हैं, औषधालय भी हैं और केन्द्र के द्वारा संचालित जो बड़ा अस्पताल आई.पीज. के लिए होना चाहिए, वह भी है।

Crimes in India *vis-a-vis* other countries

*226. **SHRI BASAWARAJ PATIL:** Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) the State-wise break up of crimes *i.e.* rape, theft, murder in the country during the last three years;